



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 78 ]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 19, 2001/फाल्गुन 28, 1922

No. 78]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 19, 2001/PHALGUNA 28, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2001

**विषय :-** यूरोपीय संघ और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए विटामिन एडी<sub>3</sub> 500/100 के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरुआत

सं. 16/1/2001-डीजीएडी.—मै. निकोलस पीरामल इंडिया लिमिटेड, मुम्बई ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें यूरोपीय संघ और सिंगापुर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एडी<sub>3</sub> 500/100 के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

## शामिल उत्पाद:

2. वर्तमान याचिका में शामिल उत्पाद यूरोपीय संघ और सिंगापुर के मूल का अथवा वहां से निर्यातित विटामिन एडी<sub>3</sub> 500/100 है (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है)। विटामिन एडी<sub>3</sub> 500/100 एक हल्के भूरे रंग का परिष्कृत दानेदार पाउडर है। अलग-अलग कर्णों में विटामिन

ए एसोटेट और विटामिन डी3 शामिल है जो जिलेटिन और सुक्रोज में छोटे कैप्सूल रूप में होता है । इसमें ई एम क्यू एक एन्टी आक्सीडेंट के रूप में मिलाया जाता है ।

प्रत्येक ग्राम विटामिन एडी3 500/100 में यह शामिल है -

विटामिन ए	500000 आई यू
विटामिन डी3	100000 आई यू

अच्छे पोषण के लिए विटामिन एडी3 500/100 का प्रयोग अपेक्षित विटामिन स्तर प्रदान करने के लिए पशु/कुक्कुट/प्रॉन के चारे में किया जाता है । पशु पालन प्रभागों वाली भेषज कंपनियां इस उत्पाद का उपयोग पशु स्वास्थ्य के सूखे उत्पादों का विनिर्माण करने के लिए करती हैं ।

विटामिन एडी3 500/100 सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 23 के अंतर्गत आता है । तथापि, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि इस उत्पाद का वर्गीकरण एक दूरी सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत भली भांति नहीं किया गया है परन्तु इसे पशु चारे में प्रयुक्त एक अन्य प्रकार की तैयार वस्तुओं की श्रेणी के तहत शामिल किया गया है । विटामिन एडी3 500/100 के कुछेक आयात सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 29.36 के अंतर्गत भी किए जाते रहे हैं । वर्तमान जांच में विटामिन एडी3 500/100 के सभी प्रकार शामिल हैं ।

तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और मौजूदा जांच के कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ।

### घरेलू उद्योग

3. यह याचिका मै0 निकोलस पीरामल इंडिया लिमि0, मुम्बई द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वे भारत में विटामिन एडी3 के एकमात्र विनिर्माता हैं । एकमात्र विनिर्माता होने के कारण नियमानुसार याचिकाकर्ता याचिका दायर करने की स्थिति में हैं ।

### शामिल देश:

4. याचिकाकर्ता ने सिंगापुर के अतिरिक्त जर्मनी संघीय गणराज्य और फ्रांस दोनों यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य हैं, से शामिल उत्पाद के पाटन का साक्ष्य उपलब्ध करवाया है । चूंकि यूरोपीय संघ में विभिन्न सदस्य देशों के बीच कोई सीमाशुल्क सीमाएं नहीं हैं, इसलिए यह तर्क दिया गया है कि इस जांच के प्रयोजन के लिए ईयू को जांच के अधीन क्षेत्र के रूप में माना जाना चाहिए । याचिकाकर्ता के अनुरोधों को स्वीकार कर लिया गया है । अतः मौजूदा जांच यूरोपीय संघ (सभी सदस्य देश) और सिंगापुर (इसे एतद्पश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है ) के विरुद्ध है ।

### समान वस्तुएं

5. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित माल, सम्बद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है । अतः जांच के प्रयोजन के लिए याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित माल को नियमों के अर्थों के भीतर सम्बद्ध देशों से आयातित विटामिन एडी3 500/100 (जिसे एतद्पश्चात समान वस्तु कहा गया है) के "समान वस्तु" माना जा रहा है ।

**सामान्य मूल्य**

6. याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है जिसमें प्रशासनिक, बिक्री लागत और लाभों के लिए समुचित खर्च जोड़े गए हैं। विटामिन एडी3 500/100 के सामान्य मूल्य के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं।

**निर्यात कीमत:**

7. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विटामिन एडी3 का आयात भिन्न-भिन्न शीर्षों के अंतर्गत किया गया है। इसलिए इस उत्पाद का वर्गीकरण एकल सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत भली भांति नहीं किया जा सकता परन्तु उसे पशु चारे में प्रयुक्त एक अन्य प्रकार की तैयार की गई वस्तुओं की श्रेणी के तहत शामिल किया गया है। विटामिन एडी3 के कुछ आयात सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 29.36 के तहत किए जा रहे हैं। इसलिए सरकार के प्रकाशित आंकड़े जैसे डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े न तो मात्राओं के बारे में और न ही भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की कीमतों के बारे में सही और वास्तविक स्थिति परिलक्षित करते हैं।

उपर्युक्त को देखते हुए याचिकाकर्ता ने गौण स्रोतों (गैर-सरकारी आंकड़ा संकलन अभिकरण) से निर्यात कीमत का पता लगाया है। इस बारे में आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है।

कारखानागत कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्राज्यीय परिवहन और सामान चढ़ाने-उतारने और पत्तन खर्चों के कारण समायोजनों का दावा किया गया है।

**पाटन मार्जिन:**

8. इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक हैं, जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

**क्षति एवं कारणात्मक संबंध:**

9. क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंड जैसे कि निर्यात कीमत में कमी, बिक्री प्राप्ति में गिरावट, घरेलू उद्योग की हानियों में वृद्धि तथा सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री से सही तथा उचित कीमतें वसूल करने में घरेलू उद्योग की असफलता सामूहिक एवं संयुक्ती रूप से प्रथम दृष्टया यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

**पाटनरोधी जांच की शुरुआत:**

10. उपरोक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं की कथित डंपिंग होने, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

**जांच की अवधि:**

11. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2000 से 31 दिसम्बर, 2000 (9 महीने) तक की है।

**सूचना देना:**

12. संबद्ध देशों में निर्यातकों और भारत में संबद्ध माने जाने वाले आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे अपने विचार तथा संबंधित सूचना निर्धारित रूप में तथा निर्धारित ढंग से निर्दिष्ट प्राधिकारी (पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय), वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को भेज दें। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि की सीमा के भीतर निर्धारित रूप में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अभिवेदन दे सकती है।

**समय सीमा:**

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। लेकिन जिन ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें उक्त सूचना अलग से उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर प्रस्तुत करनी होगी।

**सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:**

14. नियम 6(7) के अनुसार, कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।
15. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

एल.वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th March, 2001

**Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning import of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 originating in or exported from European Union and Singapore**

**No. 16/1/2001-DGAD.— M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975**

as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 originating in or exported from European Union and Singapore and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

### **PRODUCT INVOLVED:**

2. The product involved in the present petition is Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from European Union and Singapore. Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 is a light brown coloured fine granular powder. The individual particles contain Vitamin A Acetate and Vitamin D<sub>3</sub> microencapsulated in gelatin and sucrose. EMQ is added as an anti-oxidant.

Each gram of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 contains

Vitamin A	500000 IU
Vitamin D <sub>3</sub>	100000 IU

The Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 is used in animal/poultry/prawn feed to provide required Vitamin Level for better nutrition. The pharmaceutical companies having veterinary divisions use this product to manufacture animal health dry products.

Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 falls under Chapter 23 of the Custom Tariff Act. However, the petitioner has claimed that the product has not been categorised precisely under single dedicated Customs sub-heading, but it has been covered under the category of others preparations of a kind used in animal feeding. Some imports of the Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 have also being done under Customs sub-heading no. 29.36. Present investigation covers all forms of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100.

The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

### **DOMESTIC INDUSTRY:**

3. The petition has been filed by M/s. Nicholas Piramal India Limited, Mumbai. The Petitioner has claimed that they are the only

manufacturer of Vitamin AD<sub>3</sub> in India. Being the sole manufacturer, the Petitioner has the standing to file the petition as per the Rules.

#### **COUNTRIES INVOLVED:**

4. The petitioner has provided evidence of dumping of the product involved from the Federal Republic of Germany and France – both members of European Union (EU) apart from Singapore. As there is no customs boundaries in the EU between various member countries, it has been argued that for the purpose of this investigation EU should be treated as a territory subject to investigation. The submissions of the petitioner have been accepted and therefore, the present investigation is against European Union (all member countries) and Singapore (hereinafter referred to as the subject countries).

#### **LIKE ARTICLES:**

5. The petitioner has claimed that goods produced by them are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject countries. Therefore, for the purpose of the investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as 'like article' of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100 (hereinafter referred to as subject goods) imported from the subject countries within the meaning of the Rules.

#### **NORMAL VALUE:**

6. The petitioner has claimed Normal Value based on the basis of constructed cost of production of the subject goods with reasonable addition for administrative, selling cost and for profits. Prima facie evidence has been produced to the Designated Authority with regard to the Normal Value of Vitamin AD<sub>3</sub> 500/100.

#### **EXPORT PRICE:**

7. The petitioner has claimed that the Vitamin AD<sub>3</sub> was imported under different headings of the Customs Tariff Act and thus the product cannot be categorized precisely under single dedicated Custom sub-heading, but it has been covered under the category of other preparations of a kind used in animal feeding. Some imports of the Vitamin AD<sub>3</sub> are also being done under customs sub-heading no. 29.36, thus the published official statistics of the Government,

such as DGCI&S does not reflect the true and correct picture either with regard to volumes or the prices of the subject goods in India.

In view of the above, the petitioner has established the export price from the secondary sources (private data compiling agencies). Necessary evidence to that effect has been produced.

Adjustments have been claimed on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Commission, Inland Transportation and loading, Unloading and Port Expenses to arrive at the Ex-factory prices.

### **DUMPING MARGIN:**

8. There is sufficient prima-facie evidence that Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

### **INJURY AND CAUSAL LINK:**

9. Various parameters relating to injury such as the decline in export price, decline in the sales realization, increase in losses of the Domestic Industry and failure of Domestic Industry to realise fair and reasonable price from sale of the subject goods, prima-facie indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

### **INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATION:**

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

### **PERIOD OF INVESTIGATION (POI):**

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is **1<sup>st</sup> April, 2000 to 31<sup>st</sup> December, 2000 (9 Months)**.

**SUBMISSION OF INFORMATION:**

12. The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, (Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties), Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Government of India, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

**TIME LIMIT:**

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than thirty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

**INSPECTION OF PUBLIC FILE:**

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

15. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority